राष्ट्रीय शोध सम्मेलन

दिनांक 08 एवं 09 मार्च 2014 को जबलपुर पब्लिक कालेज जबलपुर में. काउंसिल फॉर टीचर एजुकेषन (CTE) के संयोजन से एक राष्ट्रीय शोध सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शोध सम्मेलन **''अध्यापक शिक्षा के ज्ञान का आधार''** पर केन्द्रित थी ।

राष्ट्रीय शोध सम्मेलन का उद्घाटन 08 मार्च 2014 को प्रातः 10:30 बजे मुख्य अतिथि डॉ. डी.पी. लोकवानी कुलपति आयुर्विज्ञान चिकित्सा विष्वविद्यालय जबलपुर द्वारा किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ. आर. एस. सिंह भूतपूर्व प्राचार्य राजा हरपाल सिंह पी.जी. कालेज जौनपुर ने की । डॉ. एस. डी. सिंह, प्राचार्य के. आर. टी. टी. सी. एवं राष्ट्रीय संयोजक सी.टी.ई. ने विषिष्ट आतिथ्य स्वीकार कर कार्यक्रम की शोभा बढाई।

मंचासीन अतिथियों में डॉ. जी. सी. मिश्र अध्यक्ष सी.टी.ई. म.प्र., श्री प्रणीत वर्मा सचिव षिवनारायण फाउन्डेषन, एवं डॉ. निवेदिता पाल प्राचार्य जबलपुर पब्लिक कालेज व संयोजक राष्ट्रीय सम्मेलन की विषेष भूमिका रही।

मंचासीन अतिथियों का परिचय डॉ. रागिनी सिंह कार्यक्रम प्रभारी राष्ट्रीय सम्मेलन ने प्रस्तुत किया। इसके पष्चात् डॉ. लोकवानी जी ने शिक्षा के गिरते स्तर की तरफ ध्यान दिलाते हुए उसे ऊंचा उठाने के लिये कठोर प्रयास करने पर बल दिया। उन्होने औपचारिक व गैर औपचारिक शिक्षा के स्त्रोत षिक्षक व अभिभावक के प्रति आदर व सम्मान पर विषेष जोर दिया और कहा यदि खोलना है तो वृद्धाश्रम नहीं विद्यालय खोलिये। डॉ. एस.डी. सिंह ने अपने मुख्य वक्तव्य में ज्ञान प्राप्ति हेतु सार्थक प्रष्नों एवं प्रयासों को कारगर बताया। उन्होनें सम्मेलन के उपषीर्षकों को सार्थक बताते हुए पाठ्यक्रम में इनके समावेष पर जोर दिया, उन्होनें इस बात को रेखांकित किया कि अध्यापक शिक्षा के ज्ञान के आधार में अद्यतन विषय ज्ञान एवं समस्त षिक्षण विधियों का समावेष किया जाना चाहिये। डॉ. जी. एस. मिश्र जी के अनुसार पढ़ाना और सीखना 'एक ही सिक्के के दो पहलू' है। सीखना पढ़ाने के साथ चलने वाली एक गत्यात्मक प्रक्रिया है, ऐसी ही कुछ सारगर्भित बातों के साथ

उन्होनें सी.टी.ई. के विषय में जानकारी प्रदान की। श्री प्रणीत वर्मा ने राष्ट्रीय सम्मेलन के लिये शुभकामना देते हुए इसे एक अच्छा प्रयास बताया। डॉ. निवेदिता पाल ने समूह कार्य की भावना पर उद्बोधन देते हुये महाविद्यालय समिति षिवनारायण फाउन्डेषन के विषय में जानकारी प्रदान की। अंत में अध्यक्ष महोदय डॉ. आर. एस. सिंह द्वारा शोध सम्मेलन की सार्थकता पर अपने विचार प्रकट किये गये।

उद्घाटन समारोह के पष्चात् प्रथम तकनीकि सत्र का शुभारंभ किया गया जिसमें **''अध्यापक शिक्षा के ज्ञान का आधार''** विषय पर चर्चा की गई । जिसके निम्न उपषीर्षक थे :–

1. अध्यापक शिक्षा के ज्ञानाधार पर आधुनिकीकरण का प्रभाव
2. पढ़ाना और सीखना अविभाज्य है, प्रषिक्षुओं की व्यक्तिगत विभिन्नताओं के संदर्भ में ।
3. वर्तमान परिदृष्य में व्यावसायिक प्रषिक्षण की आवष्यकता एवं सुझाव।
4. शिक्षा के व्यावसायीकरण का अध्यापक शिक्षा के ज्ञानाधार पर प्रभाव।

5. कौषल के विकास में सूक्ष्म षिक्षण एक उपकरण के रूप में।
6. अध्यापक शिक्षा के सुदृढ ज्ञानाधार हेतु नवीन षिक्षण प्रतिमान की भूमिका।
7. अध्यापक शिक्षा के ज्ञानाधार के विकास में निर्देषन की भूमिका।
8. भावनात्मक एवं आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता की अध्यापक शिक्षा के ज्ञानाधार के विकास में भूमिका।

राष्ट्रीय सम्मेलन में 08 एवं 09 मार्च को प्रथम व द्वितीय तकनीकि सत्र में विभिन्न महाविद्यालयों से आये प्राध्यापकगणों व शोधार्थियों ने भाग लिया एवं उपरोक्त बिन्दुओं पर चर्चा की ।

तकनीकि सत्र प्रथम में मुख्य आतिथ्य प्रो. के.एन. सिंह यादव कुलपति रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय जबलपुर द्वारा स्वीकारा गया। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. कमला वषिष्ठ निदेषक स्कूल ऑफ एजुकेषन जयपुर राष्ट्रीय विष्वविद्यालय जयपुर द्वारा की गई । तकनीकि सत्र के निर्णायक मण्डल में डॉ. प्रीति पाण्डेय सचिव सी.टी.ई. राजस्थान, श्रीमती विमला भोंडेले पूर्व प्राचार्य जबलपुर पब्लिक कालेज जबलपुर तथा डॉ. डी.एस. मालवीय पूर्व प्राचार्य शासकीय षिक्षण महाविद्यालय जबलपुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रो. के.एन. सिंह यादव जी ने राष्ट्रीय सम्मेलन के विषय को वर्तमान युग की आवष्यकता बताते हुए, इसे अध्यापक शिक्षा हेतु प्रासंगिक बताया। प्रो. कमला वषिष्ठ ने भावनात्मक अध्यात्मिक एवं सामाजिक बुद्धिमत्ता का अध्यापक शिक्षा के ज्ञानाधार हेतु विषेष महत्व बताया।

द्वितीय तकनीकि सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय की शिक्षा संकाय की चेयरमेन डॉ. हिमानी उपाध्याय रही । इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. वी. के. गुप्ता उपाध्यक्ष सी. टी.ई. हरियाणा द्वारा की गई। तकनीकि सत्र के निर्णायकगणों में डॉ. किरण रावत प्राचार्य हितकारिणी महिला प्रषिक्षण महाविद्यालय जबलपुर , प्रो. एन.डी. कुषवाहा प्राचार्य सी.वी.रमण कालेज होषंगाबाद एवं डॉ. प्रीति पाण्डेय सचिव सी.टी.ई. राजस्थान की विषेष भूमिका रही।

डॉ. हिमानी उपाध्याय ने **"अध्यापक शिक्षा के ज्ञान का आधार"** विषय को सार्थक बताते हुये शिक्षा क्षेत्र में वास्तविक व सार्थक शोध कार्यो को बढावा देने पर बल दिया । डॉ. वी.के. गुप्ता ने पाष्चात्य व भारतीय शिक्षा पद्धति में अंतर ढूंढकर श्रेष्ठ को अपनाने की बात कही, साथ ही तकनीकी सत्र को प्रष्नों के माध्यम से तार्किक व विचारात्मक बनाकर अध्यक्षता भली–भॅाति संपन्न की।

उपरोक्त दोनो तकनीकी सत्र की समाप्ति के पष्चात् समापन समारोह प्रो. कमला वषिष्ठ, डॉ. वी.के. गुप्ता, डॉ. एस.डी. सिंह, डॉ. जी. एस. मिश्र, श्री प्रवीण वर्मा, एवं डॉ. निवेदिता पाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समापन समारोह में प्रथम व द्वितीय तकनीकी सत्र के छात्राध्यापकों में से सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिये डॉ. रानी वैद्य व डॉ. ज्योति सुहाने तथा शोधार्थियों में प्रथम व द्वितीय स्थान के लिये प्रियंका व प्रकृति श्रीवास्तव तथा अभिलाषा कुमारी व मनिला बत्रा को षिवनारायण फाउन्डेषन के अध्यक्ष श्री प्रवीण वर्मा जी के द्वारा सम्मानित किया गया। सी.टी.ई. के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. एस. डी. सिंह द्वारा जबलपुर पब्लिक कालेज को प्रदेष का रिसोर्स सेन्टर बनाने की घोषण की गई।

देषभर से आये सी.टी.ई. की महान विभूतियों व विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापकगणों का डॉ. रागिनी सिंह कार्यक्रम प्रभारी राष्ट्रीय शोध सम्मेलन द्वारा आभार प्रदर्षन के साथ सम्मेलन का

समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन कु. अस्मिता चौरसिया के द्वारा किया गया, एवं संस्था के समस्त स्टॉफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दिया।

प्राचार्य
जबलपुर पब्लिक कालेज
करमेता जबलपुर म.प्र.